सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 106 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 23 मई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

स्वस्थ्य संबंधी किताबों को पढने में सावधानी बरतिए। एक मुद्रणदोष की वजह से आपकी मौत हो सकती है।
-मार्क ट्वेन

भाजपा से गठबंधन का कोई इरादा... 2 | अटल सरकार का इंडिया शाइनिंग... 3 | अलग अंदाज में नजर आए राहुल... 7

संसद भवन के उद्घाटन पर सियासत गरमाई

» भाजपा-कांग्रेस में वार-पलटवार
» विपक्ष ने तारीख पर उठाया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के नए भवन के उद्घाटन को लेकर सियासत गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल आमने-सामने हैं। विपक्षी पार्टियों का कहना है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की जगह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया जाना राष्ट्रपति का और देश के आदिवासी तथा पिछड़े समुदायों का अपमान है। विपक्ष ने वीर सावरकर के जन्मदिन पर उद्घाटन की तारीख रखने पर भी सवाल उठाया है।

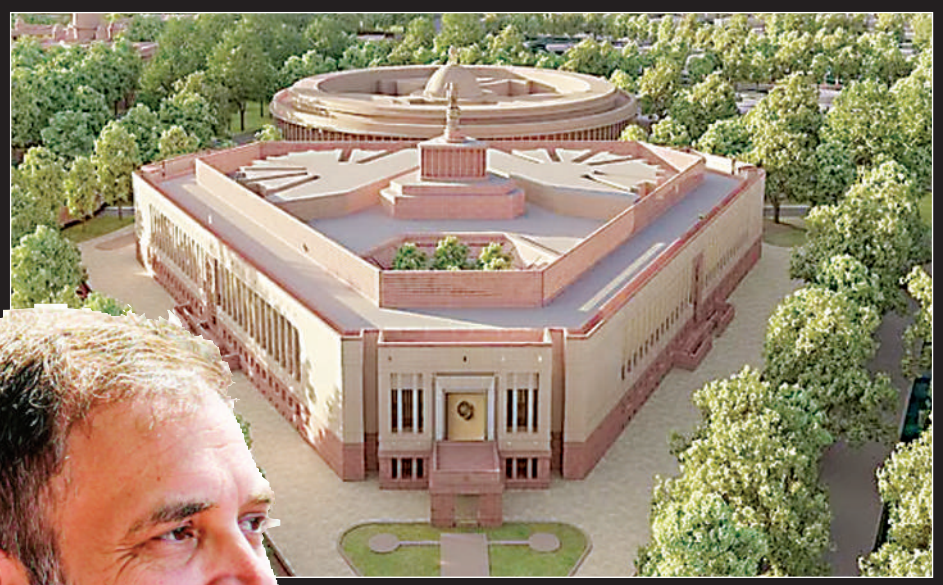

पीएम नहीं राष्ट्रपति करें उद्घाटन : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन की खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। राहुल के अनुसार संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री के हाथों नहीं बल्कि राष्ट्रपति के हाथ से होना चाहिए। नए संसद भवन का उद्घाटन पीएम मोदी के हाथों 28 मई को होने वाला है। राहुल गांधी ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए ट्वीटर में कहा- राष्ट्रपति को नए संसद भवन का उद्घाटन करना चाहिए, न कि प्रधानमंत्री को।

राष्ट्रपति संवैधानिक प्रमुख : खरगे

इससे पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, वह (राष्ट्रपति मुर्मू) भारत की प्रथम नागरिक हैं। उनके द्वारा नए संसद भवन का उद्घाटन लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक औचित्य के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक होगा।

लोस अध्यक्ष ने पीएम को दिया था निमंत्रण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को नवनिर्मित संसद भवन का उद्घाटन करेंगे। पिछले गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की और उन्हें नए संसद भवन का उद्घाटन करने का निमंत्रण दिया था। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों ने पांच अगस्त 2019 को सरकार से संसद के नए भवन के निर्माण के लिए आग्रह किया था। इसके बाद 10 दिसंबर 2020 को प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के नए भवन का शिलान्यास किया था।

राष्ट्र निर्माताओं का अपमान कर रही बीजेपी

नए संसद भवन का उद्घाटन उसी दिन होने वाला है जिस दिन हिंदुत्व विचारक वी डी सावरकर का जन्मदिन है। ऐसे में विपक्षी पार्टी केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है। कांग्रेस का मानना है कि यह राष्ट्र निर्माताओं का अपमान है। वहीं कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने संविधान के अनुच्छेद 79 का हवाला देते हुए कहा कि संघ के लिए एक संसद होगी, जिसमें राष्ट्रपति और दो सदन होंगे। मंत्रियो को संविधान पढ़ने की जरूरत है।

अनावश्यक विवाद पैदा कर रही है कांग्रेस : पुरी

आवासन और शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि नए संसद भवन की आलोचना करने और इसकी आवश्यकता पर सवाल उठाने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष और अन्य योग्य लोग अब संविधान के एक लेख को गलत तरीके से पेश करके गोलपोस्ट% को स्थानांतरित कर रहे है! हरदीप पुरी ने कहा,अतीत में माननीय राष्ट्रपति के बारे में अपने नेताओं द्वारा की गई अभद्र टिप्पणियों के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष अब उनके चुनाव पर अनावश्यक टिप्पणियां करती हैं! दुखद है कि राष्ट्रीय पार्टी होने का दावा करने वाली कांग्रेस में भारत की प्रगति में राष्ट्रीय भावना और गर्व की भावना का अभाव है। यदि वे 24 अक्टूबर 1975 के दिन को याद करें, जिस दिन श्रीमती इंदिरा गांधी ने संसदीय एनेक्सी का उद्घाटन किया था, तो उन्हें बेहतर महसूस करना चाहिए।

2000 रुपये के नोटबदली पर हाईकोर्ट ने सुनीं दलीलें

» फैसला सुरक्षित रखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2000 रुपये के नोटबदली का मामला कोर्ट में सुना गया। दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता, बीजेपी नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि हम सारे नोटिफिकेशन को चुनौती नहीं दे रहे हैं, हम इस हिस्से को चुनौती दे रहे हैं कि जिसमें बिना पहचान पत्र के दो हजार के नोट को बदलने का नियम बनाया गया है.।

बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। इसमें आरबीआई और एसबीआई के नोटिफिकेशन को निष्क्रिय घोषित करने की मांग की गई।

आरबीआई ने किया विरोध

आरबीआई की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता पराग त्रिपाठी ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि याचिका को भारी जुर्माना लगाते हुए खारिज किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने तमाम निर्णयों में कहा है कि अदालतों को नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। आरबीआई की दलील सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा व न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने कहा कि अदालत उचित निर्णय पारित करेगी। वहीं, याचिकाकर्ता ने याचिका दायर कर कहा कि आरबीआई व भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) द्वारा जारी अधिसूचनाएं मनमाना, तर्कहीन होने के साथ ही संविधान के अनुच्छेद-14 का उल्लंघन करती हैं।

पुलिस ने की मनीष सिसोदिया से अभद्रता

» गर्दन पकड़कर पेशी के लिए ले गई
» केजरीवाल का पलटवार : क्या ऊपर से आदेश है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति मामले में पूर्व उप मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया को आज पेशी के लिए राउज एवेन्यू कोर्ट ले गई थी। इस दौरान पुलिस मनीष सिसोदिया को गर्दन से पकड़कर ले जाते दिखी। इस वाक्य की तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आयी जिस पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आपत्ति जतायी है।

सीएम केजरीवाल ने मनीष सिसोदिया को गर्दन से पकड़ कर ले जाने वाली किल्प को शेयर करते हुए लिखा, क्या पुलिस को इस तरह मनीष जी के साथ दुर्व्यवहार करने का अधिकार है? क्या पुलिस को ऐसा करने के लिए ऊपर से कहा गया है?

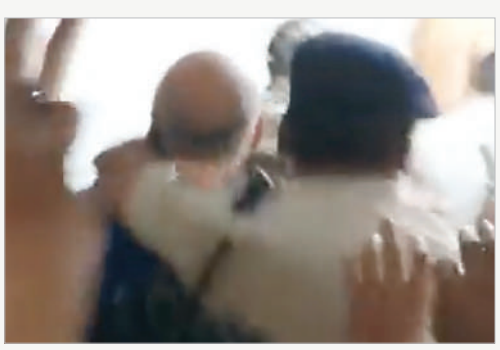

1 जून तक न्यायिक हिरासत बढ़ी

बता दें, इस मामले में घिरे मनीष सिसोदिया की मुश्किलें और बढ़ गई हैं. राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 1 जून तक के लिए बढ़ा दी है।

पुलिसकर्मी को सस्पेंड करे

दरअसल, इस विलप को सीएम केजरीवाल ने आतिशी के अकाउंट से रीट्वीट किया है। आतिशी ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा। राउज एवेन्यू कोर्ट में इस पुलिसकर्मी द्वारा मनीष जी के साथ चौंकाने वाला दुर्व्यवहार। दिल्ली पुलिस को उन्हें तुरंत सस्पेंड करना चाहिए.मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मनीष सिसोदिया ने पेशी के दौरान एक टेबल, चेयर और कुछ किताबों की मांग की जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया है।

प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं नहीं आ रहीं पटरी पर : अखिलेश

» 108 व 102 एम्बुलेंस सेवा हो गई चौपट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएम के इतने निर्देशों के बाद भी प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई हुई। ये आरोप सप मुखिया अखिलेश यादव ने लगाया है। उन्होंने मरीजों के इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं और स्वास्थ्य मंत्री की तथाकथित छापेमारी के बावजूद उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं पटरी पर नहीं आ रही हैं।

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि ऐसा कोई दिन नहीं जाता, जब अस्पतालों में मरीज ध्वस्त सिस्टम की खामियों का शिकार न बनते हों। उन्होंने कहा कि लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल, लारी और मेडिकल कॉलेज और लोहिया अस्पताल में गंभीर मरीजों का समय से इलाज न मिलने की शिकायतें आए दिन आती हैं। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि शासन-प्रशासन के शीर्ष पर बैठे लोगों को हालात की जानकारी है। आगे कहा कि सड़क दुर्घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए 108 और प्रसूताओं को अस्पताल लाने और घर जाने के लिए 102 उत्तम एम्बुलेंस सेवा चौपट हो गई है।

सीएम का आदेश भी बेकार

पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्षों की सूची जारी

समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के 25 जिला व महानगर अध्यक्षों की सूची प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजपाल कश्यप ने जारी कर दी है। जिलाध्यक्ष पद पर आगरा में श्रीकृष्ण वर्मा, लखनऊ में मनोज पाल, हरदोई में विक्रम कुशवाहा, हमीरपुर में सुनील कुमार सविता, वाराणसी में ओम प्रकाश पटेल, फर्रूखाबाद में अरविन्द कश्यप, गाजीपुर में हरेन्द्र विश्वकर्मा, सुल्तानपुर में देवतादीन निषाद एडवोकेट, रायबरेली में गिरिजा शंकर, चन्दौली में डा. वीरेन्द्र कुमार बिन्द, सोनभद्र में कृपाशंकर चौहार, सहारनपुर में रामकिशन सैनी, सम्भल में ओम प्रकाश प्रजापति, एटा में शिवराज सिंह कश्यप, झांसी में सन्तोष रायकवार, झांसी में राजू प्रजापति, कानपुर ग्रामीण में शिव सिंह पाल, जौनपुर में श्याम नारायण बिन्द, भदोही में काशीनाथ पाल, महराजगंज में राजेश निषाद, अम्बेडकरनगर में जितेन्द्र निषाद, मऊ में तापेश्वर राजभर, अयोध्या में त्रिभुवन प्रजापति, कासगंज में उदयभान सिंह राजपूत और अमरोहा में दिविजय भाटी नामित किए गये है।

अबकी बार भाजपा तड़ीपार : शक्ति सिंह

» बिहार से होगा बीजेपी का खात्मा, अब उनके पास वोट बैंक ही कहां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार में महागठबंधन के नेता काफी उत्साहित दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार देश के कई राज्यों का दौरा करने में लगे हुए हैं और बीजेपी के खिलाफ विपक्षी पार्टियों को एकजुट कर रहे हैं। वहीं आरजेडी की ओर से बीजेपी को पूरी तरह खत्म करने का दावा भी किया जा रहा है।

बीजेपी का सफाया करने के लिए नया नारा भी तैयार हो गया है, मंगलवार (23 मई) को आरजेडी प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में अबकी बार भाजपा तड़ीपार का नारा रहेगा। बीजेपी पर हमला करते हुए आगे आरजेडी प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि तिनका-तिनका चुनकर भारतीय जनता पार्टी ने एनडीए का स्वरूप दिया था। इसके आधार पर बीजेपी सत्ता में आई थी जो अब बिखर चुकी है। अब बीजेपी के पास वोट बैंक ही कहां है? सभी घटक दल तो बीजेपी से निकल गए हैं, अब बीजेपी के पास मात्र 25त्न अपना वोट बैंक है।

पिछला भूल कर आगे बढ़ें: खाबरी

» हार की समीक्षा के बाद सुधार में जुटी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस को मिली हार की समीक्षा आरोप-प्रत्यारोप में उलझकर रह गई। कई पदाधिकारियों ने कहा कि अगर कांग्रेसजन आपस में सामंजस्य बनाकर चलते तो नगर निगम की मुरादाबाद सीट न सिर्फ हाथ में होती, बल्कि मेरठ में भी अच्छा वोट पाकर पूरे प्रदेश में अच्छा संदेश देते। प्रदेश अध्यक्ष बृज लाल खाबरी ने कहा कि अतीत से न बंधें रहें।

सबक लेकर आगे बढ़ें, ताकि लोकसभा चुनाव में बेहतर परिणाम हासिल कर सकें। समीक्षा बैठक पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी की अध्यक्षता में हुई। विधायक वीरेंद्र चौधरी, प्रांतीय अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दीकी, नकुल दुबे, योगेश दीक्षित, अनिल यादव के अलावा प्रदेश पदाधिकारी और जिला व शहर अध्यक्ष मौजूद रहे। समीक्षा में सामने आया कि पूर्वांचल में कई निकायों में कांग्रेस के अधिकृत

प्रत्याशी के खिलाफ ही कांग्रेस के कार्यकता लड़ गए, जिससे स्थिति खराब हुई। मेरठ में अगर कांग्रेसियों ने एकता दिखाई होती तो मुस्लिम मत मुरादाबाद की तरह ही वहां भी कांग्रेस की ओर मुड़ जाता। लेकिन, वहां कुछ नेताओं की भूमिका काफी नकारात्मक रही।

मेहनत से काम करें कार्यकर्ता

प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कांग्रेसजनों को और अधिक मेहनत से काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव को हम सभी को चुनौती के रूप में स्वीकार करते हुए अधिक से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य हासिल करना होगा। कर्नाटक में मिली प्रचंड जीत इसका प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस का परचम लहरा सकता है। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अभी से जुटने का संकल्प भी लिया गया।

भाजपा से गठबंधन का कोई इरादा नहीं

» शिअद ने कहा-बसपा के साथ अच्छा चल रहा समझौता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। सोमवार को शिरोमणी अकाली दल ने भाजपा के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रवक्ता और सीनियर नेता महेशइंदर सिंह ग्रेवाल ने कहा कि अकाली दल का पंजाब में बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन बहुत अच्छा चल रहा है और पार्टी का किसी अन्य दल के साथ गठबंधन करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

अकाली दल ने कभी भी भाजपा के साथ भविष्य में गठबंधन करने की बात नहीं कही और भाजपा को हर रोज इस मुददे पर अटकलें बंद कर देनी चाहिए। ग्रेवाल ने भाजपा को याद दिलाया कि अकाली दल ने भगवा पार्टी के साथ गठबंधन को सैद्धांतिक आधार पर तोड़ा था, जब उन्होंने अपने गठबंधन सहयोगी या हितधारकों-किसानों के साथ चर्चा किए बिना संसद में कृषि पर तीनों काले कानूनों को लागू करके अन्नदाता के साथ धोखा किया था। इसके बाद भाजपा ने पंजाब और सिख समुदाय दोनों को नुकसान पहुंचाने के लिए एक के बाद एक फैसले लिए, जिसके परिणामस्वरूप पंजाबियों में बेहद बैचेनी की भावना पैदा हुई।

अकाली दल के पास कुछ नहीं बचा : पुरी

भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब में किसी भी दल से गठबंधन करने से इन्कार कर दिया है। हाल ही में शिरोमणि अकाली दल के साथ फिर से गठबंधन की चर्चा लोगों के बीच होने लगी थी। मगर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह कहते हुए सभी कयासों को खारिज कर दिया था कि अकाली दल के पास कुछ नहीं बचा है। अब शिरोमणी अकाली दल (शिअद) ने पलटवार किया है। शिअद का कहना है कि भाजपा के साथ गठबंधन करने की कोई इच्छा नहीं है।

मप्र में अब बेटों के बीच छिड़ी जुबानी जंग

» अब चुनाव पर ध्यान दीजिए बड़े भाई: कार्तिकेय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव है। इससे पहले मध्य प्रदेश कांग्रेस और सीएम शिवराज के बेटे कार्तिकेय की सोशल मीडिया पर लड़ाई चूल्हें से शुरू होकर युवराज पर पहुंच गई। प्रदेश कांग्रेस की हे युवराज कर संबोधित पोस्ट में मंदसौर किसान गोली कांड मुद्दे के जिक्र पर कार्तिकेय सिंह ने सिख नरसंहार का मुद्दा उठा निशाना साधा है।

कार्तिकेय सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पर लिखा कि युवराज शब्द आप लोगों के लिए नया नहीं है। आपकी पार्टी में कई युवराज हैं, शहजादें हैं। आपको तो कई बार युवराज-युवराज बोलना पड़ता होगा। इसलिए आदतन यहां भी लिख दिया। खैर यह छोड़िये भाजपा की वजह से आपकी पार्टी महिलाओं का सम्मान करना सीखने की कोशिश करने लगी है। हालांकि वो आपसे होगा नहीं आपके डीएनए में नहीं हैं। वैसे सुना है बड़े भाई नकुलनाथ जी जब अमेरिका में थे तो देश में सिख नरसंहार हो रहा था? कार्तिकेय ने आगे लिखा कि चुनाव लड़ने का प्रयास कीजिए। उम्मीद करता हूं कि राजनीति के लिए मुद्दे खोजेंगे, परिवार नहीं?

कांग्रेस में शामिल हुए बीजेपी के कई नेता

मध्य प्रदेश के सागर की नरयावली विधानसभा सीट से भाजपा विधायक प्रदीप लारिया के भाई डॉ. हेमंत लारिया ने अपने सैकड़ों साथियों के साथ भाजपा छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ ने उन्हें दुपट्टा पहनाया और पार्टी में स्वागत किया। इसी तरह सतना, मुरैना, हरदा, बालाघाट सहित अन्य जिलों के कई जनप्रतिनिधियों ने कांग्रेस की सदस्यता ली।

आपके पिता की दी हुई महंगाई से मचा कोहराम : नकुलनाथ

बता दें इससे पहले एमपी कांग्रेस ने कार्तिकेय के ट्वीट पर पलटवार करते हुए हे युवराजकर संबोधित किया था। साथ ही लिखा था कि माता-पिता के प्रति आदर हम सबके मन में है, लेकिन आपको उन बहन-बेटियों के दर्द क्यों नहीं दिखता जिनके घर में आपके पिता की दी हुई महंगाई ने कोहराम मचा रखा है। जब आप अमेरिका में पढ़ाई कर रहे थे, तब आपके पिता जी की सरकार मंदसौर में किसानों के बच्चों को गोलियों से भून रही थी। सीएम शिवराज ने पत्नी साधना सिंह को विवाह वर्षगांठ की शुभकामनाएं देकर फोटो पोस्ट की थी। इस फोटो में साधना सिंह सिलबट्टे पर कुछ पीस रही है, पास ही चूल्हा जल रहा है। इस पर एमपी कांग्रेस ने पोस्ट किया कि आदरणीय मामी जी, आपकी जल्द ही चूल्हा फूंकने की तकलीफ खत्म होने वाली है। कमलनाथ जी के मुख्यमंत्री बनते ही आपको 500 रुपए में गैस सिलेंडर मिलेगा। इस पर कार्तिकेय ने लिखा कि कांग्रेस रिश्तों की पवित्रता और प्रेम नहीं समझती। मुद्दाविहीन कांग्रेस हर बात पर राजनीति करती है। इस पोस्ट पर एमपी कांग्रेस ने कार्तिकेय को हे युवराज कर संबोधित कर फिर पोस्ट की।

चार की तरह न हो जाए चौबीस

अटल सरकार का इंडिया शाइनिंग व फील गुड बन गया था बैड

- चारों तरफ चला था कांग्रेस का हाथ गरीबों के साथ
- कर्नाटक की जीत से विपक्ष में उत्साह
- भाजपा हार के बाद रणनीति बनाने में जुटी
- सोनिया गांधी ने ठुकराया था प्रधानमंत्री का पद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू होने वाली है। 2004 मई में अटल बिहारी बाजपेई के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को उखाड़ कर यूपीए की सरकार बनी थी। जिसके मुखिया मनमोहन सिंह बने थे। उनके सरपरस्ती में गठबंधन की सरकार पूरे दस साल चली थी। अटल के इंडिया शाइनिंग व फील गुड के ऊपर कांग्रेस का हाथ सबके साथ का पलड़ा भारी पड़ा था। हालांकि 2014 में यूपीए को पछाड़कर बीजेपी की सरकार दिल्ली की कुर्सी पर काबिज हो गई थी। जो तबसे चली आ रही है। अब चूकि अगले साल चुनाव होने हैं इसलिए यूपीए एकबार फिर बीजेपी को सत्ता से उतार कर 24 में खुद सरकार में आने की जुगत लगा रही है। आगे क्या होगा ये तो चुनाव परिणामों से ही पता चलेगा। परंतु अगर 2004 को ट्रेंड मान लिया जाए तो इसबार भाजपा को सत्ता मिलना मुश्किल हो सकता है कांग्रेस की गठबंधन सरकार बन सकती है।

मई 2004 में 14वीं लोकसभा चुनाव का परिणाम आया। 8 साल तक सत्ता से बाहर रहने के बाद एक बार फिर से कांग्रेस गठबंधन को बहुमत मिला। हर किसी को लग रहा था कि अब सोनिया गांधी देश की प्रधानमंत्री बनेंगी। लेकिन, 22 मई को देश हैरान रह गया जब मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। 10 जनपथ में जब मनमोहन सिंह का नाम तय हो रहा था तो हालात किसी फिल्म की कहानी की तरह थे। आज इस स्टोरी में स्टेप-बाय-स्टेप उनके प्रधानमंत्री बनने की कहानी जानते हैं... 2004 में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने समय से 5 महीने पहले ही चुनाव कराने का ऐलान कर दिया। वजह थी चार राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा का बेहतर प्रदर्शन। कांग्रेस की हालत खराब थी और इधर अटल बिहारी वाजपेयी की छवि साफ सुथरी बनी हुई थी। ऐसे में भाजपा को लग रहा था कि आसानी से सरकार बना लेगी। भाजपा ने 'इंडिया शाइनिंग' और 'फील गुड' का नारा दिया। इसके बाद 20 अप्रैल से 10 मई 2004 के बीच चार चरणों में चुनाव हुए। 13 मई को जब परिणाम आया तो अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए के पास बहुमत नहीं रहा।

पहली बार बना यूनाइटेड प्रोग्रेसिव एलायंस (यूपीए)

लोकसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस पार्टी ने तय किया कि वो गठबंधन बनाकर चुनाव में उतरेगी। दरअसल, तीसरे मोर्चे की राजनीति की वजह से 8 साल तक सत्ता से दूर रहने के बाद कांग्रेस इस बार कोई गुंजाइश नहीं छोड़ना चाहती थी। चुनाव में लड़ाई आमने-सामने की हो गई। कांग्रेस अध्यक्ष होने के नाते सोनिया गांधी के कंधे पर सबको एकजुट करने की जिम्मेदारी थी। उन्होंने पार्टी के फैसलों के उलट जाकर भी काम किया। 1998 में मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में कांग्रेस की सालाना वर्किंग कमेटी की मीटिंग हुई। इसमें तय हुआ कि पार्टी अब क्षेत्रीय दलों से गठबंधन नहीं करेगी। 2004 के लोकसभा चुनाव में सोनिया गांधी ने इस बात को किनारे रख दिया। इसके बाद सोनिया ने छोटे दलों से गठबंधन करने के लिए कई अहम भूमिका निभाई। जैसे- सोनिया

खुद राम विलास पासवान के घर जाकर मिलीं। राजीव गांधी की हत्या की जांच वाली जैन कमीशन की रिपोर्ट में तमिलनाडु के एमकरुणानिधि का नाम था। इसके बावजूद सोनिया गांधी ने डीएमके से गठबंधन किया। बिहार में लालू यादव ने कहा कि हम कांग्रेस को राज्य की 40 में से बस चार सीट देंगे। कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेता इसके खिलाफ थे। राजद से गठबंधन बनाने के लिए सोनिया गांधी ने इसे भी मान लिया। इसी तरह सोनिया ने महाराष्ट्र में एनसीपी से गठबंधन किया और जम्मू में पीडीपी को भी साथ ले लिया। यूपी में बसपा और सपा को साथ लाने की कोशिश हुई मगर यहां बात नहीं बनी। इसके बाद पहली बार कांग्रेस के नेतृत्व में यूपीए यानी यूनाइटेड प्रोग्रेसिव एलायंस बना। इसकी चेयरपर्सन बनीं सोनिया गांधी। कांग्रेस कैंपेन का नारा था कांग्रेस का हाथ, आम आदमी के साथ। यह नारा इंडिया शाइनिंग से आगे निकल गया। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि भाजपा का नारा अंग्रेजी में था और शहरी वर्ग तक ही पहुंच सका।

कांग्रेस के खिलाफ बीजेपी का नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट

जब कांग्रेस पार्टी यूपए के जरिए गठबंधन करके चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया। इधर बीजेपी पहले से ही छोटे दलों से गठबंधन में थी। उनके फ्रंट का नाम था नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए)। तमाम सर्वे और आकलन एनडीए को चुनाव जिता रहे थे। दरअसल, अटल बिहारी की सरकार में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया था। सरकारी सेक्टर में काफी सारे लोगों को नौकरियां मिली थीं। भाजपा सोनिया गांधी के विदेशी मूल के होने को भी मुद्दा बनाई। इन सब के बीच भाजपा ने अपने आप को हिंदुत्व वाली नीतियों से थोड़ा दूर किया और फील गुड फैक्टर पर सवार हो कर आगे बढ़ी। चुनाव आयोग ने 20 अप्रैल 2004 से चार चरण में चुनाव कराने का ऐलान किया। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए को 544 में से 181 सीटें ही मिल सकीं, जबकि यूपीए को कुल 218 सीटें मिलीं। सोनिया गांधी के प्रधानमंत्री बनने की अटकलें तेज होने लगीं। हालांकि, सोनिया गांधी ने खुद को चुनाव के दौरान पीएम उम्मीदवार के रूप में पेश नहीं किया था। मगर गठबंधन में स्थिति मजबूत और साफ रहे इसके लिए कांग्रेस ने पहले ही कहा था कि अगर यूपीए की सरकार बनती है तो उसका नेतृत्व कांग्रेस करेगी। सोनिया गांधी कांग्रेस संसदीय दल यानी सीपीपी की नेता थीं, इसके बावजूद वो सरकार बनाने के दावे के साथ राष्ट्रपति कलाम से नहीं मिलीं।

सुषमा ने विदेशी होने पर जताया था एतराज

सुषमा स्वराज के लगातार राजनीतिक बयानबाजी के इतर दोनों नेताओं की जब भी मुलाकात हुई, संवाद हमेशा ही रहा। सुषमा स्वराज को सोनिया गांधी ने असाधारण प्रतिभा की महिला कहा था। सुषमा स्वराज के लगातार राजनीतिक बयानबाजी के इतर दोनों नेताओं की जब भी मुलाकात हुई, संवाद हमेशा ही रहा। सुषमा स्वराज को सोनिया गांधी ने असाधारण प्रतिभा की महिला कहा था। इधर कांग्रेस को बहुमत मिलते ही चौराहों तक पर चर्चा होने लगी कि सोनिया गांधी अब देश की प्रधानमंत्री बनेंगी। इसी में भाजपा सोनिया के विदेशी मूल के होने का जिन्न फिर से बाहर ले आई। सुषमा स्वराज ने कहा, 'अगर मैं संसद में जाकर बैठती हूं तो हर हालत में मुझे सोनिया गांधी को माननीय प्रधानमंत्री जी कहकर संबोधित करना होगा, जो मुझे गंवारा नहीं है। मेरा राष्ट्रीय स्वाभिमान मुझे झकझोरता है। मुझे इस राष्ट्रीय शर्म में भागीदार नहीं बनना।' अब देश भर में सवाल था कि आगे क्या होगा? 13 मई को

चुनाव का रिजल्ट घोषित हुआ और कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई। यहां सोनिया गांधी के लीडरशिप और भूमिका के लिए तालियां बजीं, खुशी जाहिर की गई, मगर नेतृत्व के मुद्दे पर चुप्पी रही। थोड़ी देर बाद बैठक आगे बढ़ी तो सोनिया गांधी ने खुद ही यह कहकर सबको चुप करा दिया कि पीएम पद का मुद्दा पार्टी के सांसद और सहयोगी दल के नेताओं के साथ मिलकर सुलझाया जाना ठीक होगा। रिपोर्ट्स बताती हैं कि इस बैठक के बाद सोनिया गांधी ने अपने बच्चों के साथ चर्चा की और राहुल गांधी ने उन्हें प्रधानमंत्री बनने से मना किया। नटवर सिंह ने इस बात का जिक्र अपनी किताब 'वन लाइफ इज नॉट इनफ' में भी किया है। अपनी किताब में नटवर लाल ने यह भी लिखा है कि सोनिया गांधी ने उन्हें ही बाकी के कई नेताओं को यह समझाने की जिम्मेदारी दी कि वो प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहती हैं। अपनी किताब में नटवर लाल ने यह भी लिखा है कि सोनिया गांधी ने उन्हें ही बाकी के कई नेताओं को यह समझाने की जिम्मेदारी दी कि वो प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहती हैं। इसके बाद सोनिया ने कि वह 14 मई को होने वाली सीपीपी की बैठक में प्रधानमंत्री न बनने के अपने फैसले को सार्वजनिक करेंगी। मगर बैठक की तारीख 15 मई तय हुई। गठबंधन के नेताओं से घर-घर जाकर मिलती रहीं सोनिया, मगर भनक नहीं लगने दी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

टकराव को बातचीत से सुलझाना जरूरी

कानून मंत्री के रुप में किरिन रिजिजू को हटाकर उन्हे कम महत्व वाले मंत्रालय का काम सौंपना लोगों के समझ से परे है। हालांकि मंत्री को हटाना या विभागों में फेरबदल करना प्रधानमंत्री को विशेषा अधिकार है। पर पीएम द्वारा अचानक कानून के कैबिनेट व राज्यमंत्रियों को बदले जाने पर विपक्ष ने भी सवाल किया है। जब चुनाव आने वाले हैं तो उन्हे क्यो बदला गया। प्रथम दृष्टया देखा जाए तो कानून मंत्री के रूप में किरेन रिजिजू का कार्यकाल न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच असामान्य टकराव और तनाव के लिए याद रखा जाएगा। जजों की नियुक्ति और ऐसे अन्य मुद्दों को लेकर न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच मतभेद होना और कभी-कभी इनका गंभीर रूप ले लेना भी कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। ऐसा अतीत में होता रहा है, लेकिन ये मामले समझदारी से सुलझाए भी जाते रहे हैं। इस बार न केवल जजों की नियुक्ति से जुड़े मतभेद नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर इन दोनों संस्थानों के परस्पर विरोधी स्टैंड से जुड़ गए बल्कि कानून मंत्री के असामान्य रूप से कड़े बयानों के कारण स्थिति ज्यादा जटिल हो गई।

मामले की जड़ में था कलीजियम सिस्टम जिसे केंद्र सरकार समाप्त करना चाहती थी। 2014 में सरकार नैशनल जुडिशल अपॉइंटमेंट्स कमिशन एक्ट (एनजेएसी एक्ट) भी लाई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक बता कर निरस्त कर दिया था। उसके बाद से ही न्यायपालिका को ऐसा लग रहा था कि कॉलीजियम की ओर से भेजे जाने वाले नामों को स्वीकार करने में कार्यपालिका बेरुखी दिखा रही है। दूसरी ओर सरकार का कहना था कि कॉलीजियम सिस्टम के जरिए जजों की जजों द्वारा नियुक्ति का चलन ठीक नहीं है और इसमें बदलाव किया जाना चाहिए। ये बातें अलग-अलग मौकों पर सार्वजनिक भी की जाती थीं, लेकिन रिजिजू के कार्यकाल में ये अप्रत्याशित रूप से बढ़ गईं। न केवल सुप्रीम कोर्ट ने कॉलीजियम की सिफारिशों पर अमल में देरी को गंभीर मसला बताते हुए कड़ी प्रशासनिक और न्यायिक कार्रवाई की चेतावनी दी बल्कि कानून मंत्री ने उस पर प्रतिक्रिया देते हुए यहां तक कह दिया कि कोई किसी कोई को धमकी नहीं दे सकता। उन्होंने एक अलग मौके पर यह भी कहा कि देश संविधान से बाहर की कोई व्यवस्था सिर्फ इसलिए नहीं स्वीकार कर लेगा कि वह फैसला कुछ जजों द्वारा लिया गया है। उम्मीद की जाए कि ऐसे सख्त बयानों से न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच बना तनाव अब धीरे-धीरे कम होगा और ठंडे माहौल में गंभीरता के साथ उन मतभेदों को सुलझाने की कोशिश की जाएगी जो दोनों संस्थानों के बीच उभर आए हैं।

“ प्रथम दृष्टया देखा जाए तो कानून मंत्री के रूप में किरेन रिजिजू का कार्यकाल न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच असामान्य टकराव और तनाव के लिए याद रखा जाएगा। जजों की नियुक्ति और ऐसे अन्य मुद्दों को लेकर न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच मतभेद होना और कभी-कभी इनका गंभीर रूप ले लेना भी कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सुशासन में बाधक केंद्र-राज्य टकराव

गुरबचन जगत

उम्मीद है दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच शहर की सिविल सेवाओं की निगरानी और नियंत्रण पर हक को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में दायर किए गए केस में आये फैसले से यह विवाद खत्म हो जाएगा। हालांकि दोनों पक्ष कानून के महत्वपूर्ण बिंदु गिनाकर अपना हक ज्यादा होने की बहस करते रहे हैं लेकिन एक साधारण आदमी के लिए यह विवाद सिरे से अनुचित है। एक वैधानिक रूप से निर्वाचित सरकार का काम प्रशासन चलाना और विकास कार्य करना होता है जिसके पास अपनी नीतियां लागू करने और अच्छा शासन देने के लिए विभिन्न श्रेणी की सिविल सेवाओं की सुविधा उपलब्ध होती है। कोई मंत्री विभाग मिलने के बाद, अपना काम मुख्यालय में सचिवों और जिलों में तैनात फील्ड स्टाफ की मार्फत चलाता है। शीर्ष से शुरू होकर, प्रशासनिक व्यवस्था का पदानुक्रम स्पष्ट है। मुख्य मंत्री-मंत्री-सचिव-विभागाध्यक्ष... इत्यादि।

राज्यपाल या उपराज्यपाल का ओहदा मुख्य तौर पर राज्य के संवैधानिक मुखिया का होता है। चूंकि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का अंग है और केंद्रीय सरकार का मुख्यालय भी यहीं है, इसलिए यहां प्रशासनिक शक्ति के बंटवारे को लेकर सदा अस्पष्टता रही है, मसलन, इस मसले को लेकर कि सुरक्षा, आपूर्ति और योजना जैसे महकमे किसके अधीन हों। जब से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, केंद्रीय गृह मंत्रालय समय-समय पर आदेश जारी करता आया है, नतीजतन शासन चलाने के अधिकार उप-राज्यपाल के हाथों में केंद्रित होते चले गए और निर्वाचित सरकार कमजोर बनती गई। इससे दिल्ली सरकार के लिए न केवल बदलियां और नियुक्तियां करने में अड़चनें पैदा हुईं बल्कि नीति निर्धारण और क्रियान्वयन में भी रोड़े अटके। इससे एक-दूसरे पर दोषारोपण और प्रत्युत्तर जमकर चले व आपसी कलह सार्वजनिक हुई। उम्मीद करते हैं कि अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस विषय में फैसला दे दिया है यूं भी हमारे पास इससे उच्च और कोई प्राधिकरण नहीं है। केंद्र-राज्य संबंध के बृहद प्रश्न की ओर पुन: लौटते हैं, यह ऐसा क्षेत्र हैं जिसमें ह्रास जारी है और जिसके परिणामस्वरूप विकास और प्रशासन दोनों ही प्रभावित होते हैं।

आज भारत विश्व का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश और सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। देश के बतौर मध्य-आय वाले मुल्क में बदलाव के क्रम को बरकरार रखने

के लिए जरूरी है कि आने वाले दशकों में भी यह विकास गाथा सतत और ऊर्जावान बनी रहे। करोड़ों लोगों को गरीबी और न्यून आय श्रेणी से ऊपर उठाना अत्यंत कठिन काम है। उतना ही दुरूह है, ग्रामीण समाज और कृषि आधारित आर्थिकी का बतौर शहरी और औद्योगिक रूपांतरण करना। नीति निर्धारण, व्यवस्था, जवाबदेही और सामान्य कानून-व्यवस्था संचालन हेतु संस्थानों का विकास और सुदृढ़ीकरण एक ऐसी बुनियाद है जिस पर कोई देश निर्मित होता है । इसके लिए केंद्र-राज्य संबंध अच्छे बने रहने की अहमियत बहुत है। विगत में विभिन्न राजनीतिक दलों की केंद्र सरकारें रही हैं, लेकिन सूबों की शक्ति धीरे-धीरे संकुचित करते हुए ताकत अपने पास केंद्रित करने की प्रवृत्ति सबकी रही है। केंद्र की एजेंसियों की भांति राज्यपाल का इस्तेमाल बतौर एक औजार सूबों के राजनीतिक मामलों में दखलअंदाजी करने में बढ़ता चला गया। राज्यपाल का ओहदा बनाने का मंतव्य था, भारत सरकार का प्रतिनिधि बनकर अपने संवैधानिक दायित्व निभाना और केंद्र-राज्य सरकार के बीच संबंधों को मधुर बनाना। आज अधिकांश राज्य सरकारों और राज्यपालों के बीच रिश्ते कटु हैं और यह बात सार्वजनिक रूप से सबको पता है। राजभवनों में जिस किस्म के राजमर्मज्ञ भाव की मौजूदगी होनी चाहिए, वह आज गायब है और राजनीतिक कार्यकर्ता बनने का रुझान हावी हो रहा है। इसलिए राज्य सरकारें एक अनुभवी और सक्षम शख्सियत की नेक सलाह से वंचित हैं। ज्यादातर यह वित्तीय मामले हैं जिनमें राज्यपाल-सूबे की सरकार के बीच तनातनी अधिक दिखाई देती है। हालांकि वित्त-प्रबंधन राज्यों का विषय है लेकिन राष्ट्रीय खजाने की चाबी केंद्र सरकार के हाथ में होने की वजह से अधिकांश सूबों को न्यायोचित और समान वितरण के लिए उसका मुंह ताकना पड़ता है।

आपसी तनाव तब और उभरकर सामने आते हैं जब केंद्र और राज्यों में एक-दूसरे के विरोधी दलों की सरकारें सत्तासीन हों। ऐसे रिश्तों में परस्पर शक बहुत बढ़ जाता है। संबंधित राज्य सरकार को हमेशा लगता है कि उसके न्यायोचित हक से उसे वंचित रखा जा रहा है। यही वह क्षेत्र है जहां धन जारी करने में अधिक पारदर्शिता होना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर, जारी किए गए पैसे के खर्च को लेकर राज्य सरकार की उचित जवाबदेही होना जरूरी है।

आत्मसम्मान की रक्षा से सफलता की ऊंचाई

रेनू सैनी

जो व्यक्ति अपना सम्मान करना जानता है, वह निश्चय ही दूसरों का सम्मान भी करता है। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक अब्राहम मास्लो कहते हैं कि 'संतुलित आत्मसम्मान विकसित करने से व्यक्ति आत्म-साक्षात्कार और पूर्ण जीवन प्राप्त कर सकता है।' मास्लो यह भी कहते हैं कि लोगों के अंदर नई जरूरतें और इच्छाएं उत्पन्न होती रहती हैं। इसलिए आत्मसम्मान जीवनभर अलग-अलग हो सकता है। इसका संतुलन बनाए रखना एक निरंतर व्यायाम है। जिस तरह प्रतिदिन व्यायाम करने से व्यक्ति तन-मन से स्वस्थ रहता है, उसी तरह संतुलित आत्मसम्मान वाला व्यक्ति न केवल उच्च पद पर पहुंचता है, अपितु एक गरिमामय जीवन व्यतीत करता है। बच्चों में आत्मसम्मान की भावना को प्रारंभ से ही बढ़ावा देना चाहिए। कई बार क्रोध एवं आवेश में बच्चे की गलती पर उसे कठोर शब्द बोलकर उसके आत्मसम्मान को चोट पहुंचा दी जाती है, जिससे बच्चा गलत मार्ग की ओर मुड़ जाता है। बचपन में वे गलतियां भी करते हैं।

ऐसे में गुरु एवं माता-पिता की जिम्मेदारी होती है कि वे सूझबूझ एवं समझदारी से बच्चे की गलती एवं कमजोरियों को दूर करें। एक बहुत प्रसिद्ध स्कूल में एक दिन आरुष नामक एक विद्यार्थी बहुत कीमती घड़ी पहनकर आया। उसकी कीमती घड़ी ने मित्रों पर बहुत प्रभाव छोड़ा। हर मित्र स्वयं भी अपनी कलाई पर ऐसी घड़ी पहनने को लालायित था। उस दिन कक्षा में गणित की परीक्षा थी। समय देखने के लिए आरुष ने घड़ी कलाई से निकालकर मेज पर रख दी और पेपर करने लगा। पेपर करने के बाद वह हाथ-मुंह धोने के लिए कमरे से बाहर चला गया। पांच मिनट बाद वह कक्षा के अंदर आया तो क्या देखता है कि उसकी घड़ी मेज से गायब है। यह देखकर उसका चेहरा सफेद पड़ गया। आज पहली बार वह घड़ी पहनकर आया था। माता-पिता दोनों ने उसे कहा भी था कि, 'बेटा, स्कूल घड़ी पहनकर मत जाओ। इतनी कीमती घड़ी कोई चुरा न ले।' लेकिन आरुष नहीं माना।

आखिर घड़ी चोरी हो गई। उसने घड़ी को हर ओर अच्छी तरह ढूंढ़ा लेकिन वह कहीं नहीं मिली। उसकी आंखों से आंसू बह निकले। वह शिक्षक के पास गया और अपनी घड़ी खोने की सूचना उन्हें दी। शिक्षक बोले, 'दरवाजा बंद कर दो। अभी कक्षा से तुम्हारे अलावा कोई बाहर नहीं गया था। इस तरह वह घड़ी कक्षा में ही है। मैं सभी की तलाशी लूंगा। घड़ी मिल जाएगी। चिंता मत करो। तुम अपनी सीट पर जाओ।' आरुष अपनी सीट पर आकर बैठ गया। इसके बाद शिक्षक ने चपरासी से 40 काली पट्टियां मंगवाईं। उन पट्टियों को उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी की आंखों पर बांध दिया। इसके बाद वे आरुष की घड़ी खोजने लगे। कुछ ही देर में घड़ी मिल गई। उन्होंने घड़ी आरुष को थमा दी और सभी विद्यार्थियों को पट्टी उतारने के लिए बोल दिया। आरुष अपनी घड़ी पाकर फूला न समाया। लेकिन किसी भी विद्यार्थी को यह ज्ञात नहीं हुआ कि घड़ी-चोर कौन था? यह बात सिर्फ वही विद्यार्थी जानता था जिसने घड़ी चुराई थी। उसे लग रहा था कि बस किसी भी पल शिक्षक उसका नाम ले देंगे और इस तरह उसकी पोल सबके सामने खुल जाएगी। लेकिन शिक्षक ने किसी भी विद्यार्थी का नाम न लिया। दूसरे दिन भी उन्होंने चोर के बारे में कुछ नहीं कहा। चोर विद्यार्थी को आत्मग्लानि होती कि कहीं शिक्षक उसे पकड़ कर प्रिंसिपल के सामने खड़ा न कर दें।

दिन बीतते रहे और घड़ी की चोरी वाली बात धीरे-धीरे सभी विद्यार्थियों के मस्तिष्क से धूमिल होती गई। दिन महीनों में बदले, महीने सालों में। अब वह चोर विद्यार्थी एक जाना-माना उद्योगपति बन चुका था। एक दिन उसे अपने ही स्कूल में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उसके वही शिक्षक भी वहां उपस्थित थे जो अब वृद्ध हो चुके थे। स्कूल के कार्यक्रम के बाद उद्योगपति शिक्षक के पास पहुंचे और उनके पैर पकड़ लिए। शिक्षक हैरानी से उसे देखने लगे। यह देख कर उद्योगपति बोले, 'सर, आपने मुझे नहीं पहचाना। मैं वही घड़ी चोर हूं जिसने आरुष की घड़ी चुराई थी।' यह सुनकर शिक्षक को बरसों पुरानी घड़ी की चोरी वाली घटना याद आ गई। शिक्षक उसे उठाते हुए बोले, 'अच्छा वह तुम थे। मैं तो यह बात आज तक नहीं जान पाया।' यह सुनकर उद्योगपति हैरानी से बोले, 'भला यह कैसे संभव है?' शिक्षक मुस्कराते हुए बोले, 'इसलिए कि तुम सब की आंखों पर पट्टी बांधने के बाद एक पट्टी मैंने अपनी आंखों पर भी बांध ली थी ताकि मैं भी यह न जान पाऊं कि चोरी किसने की थी? यह करने का मकसद मेरा उस चोर विद्यार्थी के आत्मसम्मान को बचाना था।'

यह सुनकर उद्योगपति की आंखों से आंसू बह निकले। वह बोला, 'सर, सचमुच उस दिन आपने मेरा आत्मसम्मान सिर्फ बचाया ही नहीं था, अपितु उसे आसमान जितना ऊंचा कर दिया था। अगर उस दिन मैं सबके सामने चोर साबित हो जाता तो अगले दिन मैं स्कूल में कदम न रखता और पढ़ाई छोड़ देता। आपने उस दिन न केवल मुझे मेरी गलती का अहसास दिलाया, मुझे ईमानदारी का पाठ पढ़ाया अपितु मेरे आत्मसम्मान को भी मरने से बचा लिया था। आज अगर मैं एक सफल उद्योगपति हूं तो सिर्फ इस कारण क्योंकि उस दिन आपने मुझे सबकी नजरों में चोर साबित होने से बचा लिया था।' यह सुनकर शिक्षक बोले, 'अगर मैं ऐसा न करता तो आज तुम्हारे आत्मसम्मान को इतनी ऊंचाई कहां मिलती?' हम सब भी एक-दूसरे के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने में लगे रहते हैं।

घर पर बनाएं लजीज तंदूरी सोया चाप

जब से कोरोना महामारी का दौर आया, स्ट्रीट फूड लगभग कम हो गए। लोगों ने बाहर का खाना कम कर दिया। अब भले ही लोग बाहर का खाने से बच रहे हों लेकिन स्ट्रीट फूड को मिस जरूर कर रहे हैं। ऐसे में चटपटा , मसालेदार और लजीज स्ट्रीट फूड के लिए तरस रहे हैं। आप ऐसे डिश घर पर ही बना सकते हैं। हम ऐसे स्ट्रीट फूड की आसान रेसिपी आपको बता रहे हैं, जो शायद आपको घर पर बनाने में कठिन लगे। इसके अलावा उसका स्वाद भी बाहर के खाने के जैसा ही लगे। दिल्ली के फेमस स्ट्रीट फूड में से एक है तंदूरी सोया। ये जितना प्रोटीन युक्त है, उतना ही लोगों की फेवरेट डिश भी।

सामग्री

250 ग्राम सोया चाप, 3 बड़े चम्मच दही,1 बड़ा चम्मच बेसन, 1 छोटा चम्मच मिर्च पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच जीरा पाउडर,1/2 छोटा चम्मच धनिया पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर,1/2 छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर, 1 छोटा चम्मच तंदूरी मसाला पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला पाउडर, 1/2 चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट, 3 बड़े चम्मच मक्खन,2 छोटे चम्मच नींबू का रस, चाट मसाला, 2 चम्मच तेल, नमक स्वादानुसार।

विधि

तंदूरी सोया चाप बनाने के लिए सोया चाप को छोटे टुकड़ों में काट लें। अब दही का सारा पानी निचोड़कर कर्ड को सोया चाप में मिला लें। फिर इसमें बेसन, लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, तंदूरी मसाला पाउडर, गरम मसाला, चाट मसाला, अदरक लहसुन का पेस्ट और 1 चम्मच तेल डालकर मिक्स कर लें। सोया चाप को 20-30 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। एक पैन में मक्खन या हल्का तेल डालकर गर्म करें। इसमें 5-7 मिनट के लिए चाप को डालकर पका लें। टुकड़ों को लगातार पलटते रहें, ताकि अच्छे से पक कर उसमें कलर आ जाएं। लोहे की सीकों में चाप को लगाकर गैस पर सीधे भी चाप सेंका जा सकता है। ध्यान रखें कि रोस्ट करने से पहले चाप के टुकड़ों में थोड़ा सा बटर लगा लें। दो मिनट पकने पर आपका तंदूरी सोया चाप तैयार है। इसमें चाट मसाला और नींबू निचोड़ कर सर्व करिए।

10 मिनट में तैयार करें स्पाइसी फ्रेंच टोस्ट

सुबह का नाश्ता स्वस्थ रहने के लिए काफी जरूरी होता है। डॉक्टर्स भी कहते हैं कि कभी भी किसी को खाली पेट घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। नाश्ता ऐसा होना चाहिए जिसे खाने के बाद आपका मन और पेट दोनों भर जाए। पर, कई बार ऐसा देखा जाता है कि व्यस्त लाइफस्टाइल की वजह से लोग नाश्ता नहीं बना पाते। अगर बनाते भी हैं तो जल्दी में ऐसे ही कुछ भी बनाकर खा लेते हैं। हर रोज एक तरीके का नाश्ता खाने से मन भी ऊबने लगता है। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसी डिश के बारे में बताने जा रहें हैं, जिसे आप महज 10 मिनट में बना सकते हैं। हम जिस नाश्ते की बात कर रहे हैं वो है स्पाइसी फ्रेंच टोस्ट। ये खाने में बेहद स्वादिष्ट होता है। इसको आप अपने हिसाब से कुरकुरा बना सकते हैं। इसे अगर आप केचअप और पुदीने की चटनी के साथ परोसेंगी तो खाकर हर कोई आपकी तारीफ करेगा।

सामान

ब्रेड स्लाइस- 4, 2 अंडे, 6 बड़े चम्मच दूध, 1/2 चम्मच नमक, 1 छोटा टमाटर, 1 छोटा प्याज, 2-3 हरी मिर्च, तेल/बटर फाई करने के लिए, 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/4 चम्मच काली मिर्च पाउडर।

विधि

अगर आप नाश्ते की उन डिशेज के बारे में पता लगा रहे हैं, जोकि खाने में भी स्वादिष्ट हो और जल्दी भी बन जाए तो स्पाइसी फ्रेंच टोस्ट एक बेहतर ऑप्शन है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले हरी मिर्च टमाटर को बारीक काट लें। अब इसके बाद ब्रेड को दो पार्ट में काटकर रख लें। इसके बाद एक बर्तन में अंडे फोड़ कर डालें। अब इसमें लाल मिर्च, नमक, दूध और काली मिर्च डालकर इसे अच्छे से फेंट लें। तब तक एक पैन में बटर डालकर इसे गर्म करें। अब अंडे में ब्रेड की स्लाइस को डिप करें और पैन पर सेंकने के लिए रख दें। दोनों तरफ से गर्म सिक जाने पर इनको प्लेट में निकाल कर रख दें। इसी तरह से बाकी टोस्ट को भी तैयार कर लें। इसके बाद आखिर में कटी हुई सब्जियां ऊपर से डालकर इसे सजाएं।

हंसना मना है

मम्मी: पेपर कैसा था? बेटा : पतला सा था, सफेद रंग का। मम्मी : मेरा मतलब है कि पेपर कैसा हुआ? बेटा : फिफ्टी-फिफ्टी। मम्मी : मैं समझी नहीं? बेटा : जो पेपर में लिखा था वह मेरी समझ में नहीं आया। लेकिन मैंने जो कापी में लिखा है, वह जांचने वाले की समझ में नहीं आएगा।

गोलू: भाई मुझे हाथ देखना आता है। मोलू: अच्छा मेरा देख जरा। गोलू: तुम्हारी हस्तरेखा बताती है कि तुम्हारे घर के नीचे बहुत धन है। मोलू: ठीक कहा गोलू मेरे घर के नीचे SBI बैंक की ब्रांच है।

बस स्टैंड पर खड़ी पड़ोस की लड़की से फिल्मी स्टाइल में पप्पू बोला...पप्पू : प...प...प...प्रिया...तेरी आंखों में मुझे मेरी पत्नी नजर आ रही है... लड़की- थप्पड़ लगाकर बोली...सूरत देखी है? पप्पू : नहीं, बस एक बार अहमदाबाद तक गया हूं।

कहानी — कौवों की गिनती

बीरबल की चतुराई से बादशाह अकबर और सभी दरबार परिचित थे। फिर भी अकबर, बीरबल की चतुराई का परीक्षा लेते रहते थे। ऐसे ही एक सुबह बादशाह अकबर ने बीरबल को बुलाया और बगीचे में घूमने के लिए चले गए। वहां पर बहुत सारे पक्षी आवाज कर रहे थे। अचानक बादशाह अकबर की नजर एक कौवे पर पड़ी और उनके मन में शरारत सूझी। उन्होंने बीरबल से कहा, मैं यह जानना चाहता हूं कि हमारे राज्य में कुल कितने कौवे हैं। यह सवाल थोड़ा अटपटा जरूर था, लेकिन फिर भी बीरबल कहा, महाराज मैं आपके इस प्रश्न का जवाब दे सकता हूं, लेकिन मुझे थोड़ा समय चाहिए। अकबर ने मन ही मन मुस्कुराते हुए बीरबल को समय दे दिया। कुछ दिनों के बाद बीरबल दरबार में आए, तो शहंशाह अकबर से पूछा, बोलो बीरबल कितने कौवे हैं हमारे राज्य में। बीरबल बोले, महाराज हमारे राज्य में करीब 323 कौवे हैं। यह सुनते ही सभी दरबारी बीरबल को देखने लगे। फिर बादशाह अकबर बोले, अगर हमारे राज्य में कौवों की संख्या इससे ज्यादा हुई तो? बीरबल बोले, हो सकता है कि महाराज कुछ कौवे हमारे राज्य में अपने रिश्तेदारों के यहां आए हों। इस पर बादशाह अकबर ने कहा, अगर कम हुए तो? तब बीरबल बोले, हो सकता है कि हमारे राज्य के कौवे दूसरे देश अपने रिश्तेदारों के यहां गए हों। जैसे ही बीरबल ने यह बात कही पूरा दरबार ठहाकों से गूंज उठा और एक बार फिर बीरबल अपनी बुद्धि के कारण प्रसंशा के पात्र बन गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

वृषभ — व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें।

मिथुन — घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क — कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

सिंह — बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है।

कन्या — पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

तुला — दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें।

वृश्चिक — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

धनु — उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

मकर — नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं।

कुम्भ — फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मीन — यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

कान फिल्म फेस्टिवल फिल्मों का त्योहार है, कपड़ों का नहीं : नंदिता

कान फिल्म फेस्टिवल को मनोरंजन जगत के दुनियाभर के सबसे बड़े इवेंट्स में से एक माना जाता है। सालाना होने वाले इस फेस्टिवल में सभी देश के सेलेब्रिटीज बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। इस साल भी कुछ ऐसा ही हो रहा है, जहां सोशल मीडिया यूजर्स से लेकर सेलेब्स तक भारतीय सितारों के रेड कार्पेट अपियरेंस से बेहद खुश हैं, वहीं इंडस्ट्री में एक शख्स ऐसा है जिसने इन सेलेब्स पर तंज कसा है। यह और कोई नहीं बल्कि खुद पांच बार कान में शिरकत कर चुकीं अभिनेत्री और निर्माता नंदिता दास हैं। जी हां, नंदिता दास का कहना है कि कान फिल्म फेस्टिवल फिल्मों का त्योहार है न की कपड़ों का। अभिनेत्री से फिल्म निर्माता बनीं नंदिता दास ने हाल ही में कान फिल्म फेस्टिवल में अपने पुराने लुक को याद किया। ऐसा करते हुए नंदिता दास ने प्रतिष्ठित फिल्म समारोह में रेड कार्पेट पर चलने वाली मशहूर हस्तियों के बारे में भी बात की। नंदिता इससे पहले पांच बार कान जा चुकी हैं, लेकिन वह हर बार इस फेस्टिवल में अपनी किसी फिल्म के प्रदर्शन की वजह से जाया करती थीं। पिछले कुछ वर्षों में, कान फिल्म फेस्टिवल, एक तरह का फैशन इवेंट भी बन गया है। इसमें दुनिया भर के कई सेलेब्स को ब्रांड्स द्वारा रेड कार्पेट पर चलने के लिए बुलाया जाता है। हालांकि, यह असल में फिल्मों का ही उत्सव है। नंदिता दास ने हाल ही में फेसबुक पर फेस्टिवल से अपनी कुछ पुरानी तस्वीरें साझा करते हुए सेलेब्स पर तंज कसा। वह लिखती हैं, दुख की बात है कि इस साल कान की कमी खल रही है। कभी-कभी लोग यह भूल जाते हैं कि यह कपड़ों का नहीं फिल्मों का त्योहार है। नंदिता का यह पोस्ट देखते ही देखते सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो गया। नेटिजन्स नंदिता के इस पोस्ट को सराह रहे हैं। सभी का मानना है कि अभिनेत्री और निर्माता ने सही बात बोली है। एक सोशल मीडिया यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, वह फेस्टिवल की आलोचना नहीं कर रही हैं, वह हमारी और मीडिया की आलोचना कर रही हैं।

शेफाली शाह के करियर के लिए मील का पत्थर बना ओटीटी

बॉलीवुड फिल्मों में आना हर अभिनय प्रेमी का सपना होता है। हालांकि, इस इंडस्ट्री में आना कोई मामूली बात नहीं होती है। कुछ लोगों के लिए तो यह रास्ता काफी आसान साबित होता है, लेकिन वहीं, दूसरी तरफ कुछ लोग इस रास्ते पर चलकर जिंदगी के हर पड़ाव से होकर गुजर जाते हैं। कुछ ऐसी ही कहानी है शेफाली शाह की भी, जिनकी जिंदगी किसी प्रेरणा से कम नहीं है। तो चलिए जानते हैं अभिनेत्री की जिंदगी से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्सों के बारे में।

हिंदी फिल्मों में अपने छोटे मोटे रोल से प्रसिद्धि पाने वाली शेफाली शाह आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। शेफाली का जन्म 22 मई 1973 को महाराष्ट्र के मुंबई में हुआ था। बेटी के जन्म से दोनों माता-पिता बेहद खुश थे इसलिए उन्होंने अपनी बेटी को हमेशा पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया था। शेफाली की शुरुआती पढ़ाई आर्य विद्या मंदिर सांताक्रूज, मुंबई से हुई है।

अभिनेत्री के प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म 'रंगीला' से की थी, जो साल 1966 में रिलीज हुई थी। साल 1998 में शेफाली को फिल्म फेयर अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था। शेफाली को बचपन से

बॉलीवुड | गणशप

ही अभिनय का बहुत शौक था, इसलिए उन्होंने अभिनय को ही अपना प्रोफेशन बनाया। शेफाली का फिल्मी करियर इतना खास नहीं रहा क्योंकि उन्हें ज्यादातर फिल्मों में छोटे मोटे रोल ही ऑफर हुए हैं। हालांकि, ओटीटी ने उनका मुकद्दर ही बदल दिया। चलिए जानते हैं कैसे।

शेफाली ने फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से सबकी तारीफें तो बटोरी ही , लेकिन इस इंडस्ट्री में उन्हें वह पहचान नहीं मिली, जिसकी वह हकदार थीं। बाद में, शेफाली ने ओटीटी का रास्ता चुना और वहां अपने अभिनय का दमखम दिखाया। शेफाली का ओटीटी में आने का फैसला एकदम सही साबित हुआ क्योंकि ओटीटी ने उन्हें रातों रात ही ऑडियंस के बीच वह पहचान दिला ही, जिसकी वह हकदार थीं।

शेफाली ने दिल्ली क्राइम और अनकही जैसे वेब सीरीज में अपने अभिनय का दमदार प्रदर्शन किया है। पर्सनल लाइफ की बात करें तो शेफाली ने दो शादियां की हैं। अभिनेत्री की पहली शादी हर्ष छाया से हुई थी। यह शादी ज्यादा दिनों तक नहीं चली और दोनों का तलाक हो गया। तलाक के बाद फिल्म निर्देशक विपुल शाह से शादी और अपने अभिनय करियर को आगे बढ़ाया।

अबु धाबी में कमल हासन को मिलेगा आईफा अवार्ड

जाने-माने अभिनेता कमल हासन को आने वाले अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी अवार्ड्स में सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि यह समारोह अबु धाबी में 26 और 27 मई को आयोजित होगा, जिसमें हिंदी सिनेमा के कई बड़े सितारे मौजूद होंगे।

बता दें कि कमल हासन को IIFA अवार्ड्स में 'आउट स्टैंडिंग अचीवमेंट इन इंडियन सिनेमा' पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार उन्हें इंडियन सिनेमा में आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट के लिए दिया जाने वाला है। उनके अलावा बॉलीवुड एक्टर रितेश देशमुख और

बॉलीवुड | मसाला

उनकी पत्नी जेनेलिया देशमुख समेत फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा को भी इस अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

पुरस्कार को लेकर एक्टर ने कहा,मैं कई आईफा समारोह का हिस्सा रहा हूं और मैं इसके लिए सम्मानित और आभारी महसूस करता हूं। वे विश्व स्तर पर भारतीय सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। इस बार मुझे IIFAA 2023 में सम्मानित किया जा रहा है। मैं कार्यक्रम में उपस्थित होने को लेकर उत्साहित हूं। बता दें कि कमल हासन ने महज 6 साल की उम्र में साल 1960 में तमिल फिल्म कलाथुर कन्नम्मा से बतौर चाइल्ड एक्टर अपने करियर की शुरुआत की थी। वहीं उन्होंने साल 1983 में फिल्म सदमा से बॉलीवुड में कदम रखा था। कमल हासन एक बेहतरीन एक्टर होने के साथ-साथ फिल्ममेकर, स्क्रीनप्ले राइटर, प्लेबैक सिंगर और टीवी होस्ट भी हैं।

अजब-गजब | सिर्फ 30 लोग रहते हैं इस गांव में

दुनिया का अनोखा गांव, जहां जाते ही दूसरी दुनिया में पहुंच जाएंगे

दुनिया में कई अनोखे गांव हैं। इन गावों के बारे में जानकर लोगों को हैरानी होती है। गांव में तरह-तरह के इंसान और जानवर देखने को मिलते हैं। कई गावों में अनोखी चीजें देखने को मिलती हैं, लेकिन दुनिया में एक ऐसा गाव है, जहां इंसानों से अधिक पूतले देखने को मिलते हैं। अगर इस गांव में जाते हैं, तो पहली बार में डर जाएंगे। इस गांव में आपको हर तरफ पुतले ही पुतले देखने को मिलेंगे। आइए जानते हैं यह अनोखा गांव कहां पर है...

दुनिया का यह अनोखा गांव जापान के शिकोकू टापू पर स्थित है, जिसका नाम नागोरो है। इस गांव को पुतलों के गांव के नाम से भी पुकारा जाता है। यहां पर स्थानीय भाषा में पुतलों को बिजुका कहा जाता है। यहां पर आने वाले पर्यटक रात में कई बार इन्हें देखकर डर जाते हैं। सबसे हैरानी वाल बात यह है कि इस गांव में सिर्फ 30 लोग रहते हैं, तो वहीं पुतलों की संख्या 300 है।

इस गांव में दुकानों पर ग्राहक, बस स्टॉप पर लोग और दूसरे स्थान इंसान नजर आएं या

न आएं, लेकिन पुतले आपको जरूर दिखाई देंगे। इस गांव को पुतलों का गांव बनने की कहानी काफी पुरानी और दिलचस्प है।

पुतलों का गांव बनने की कहानी सिर्फ 10 साल पहले शुरू हुई थी। उस समय एक महिला ने स्कूलों में रखने के लिए पुतले बनाए थे। कहा जाता है कि एक समय इस गांव में बड़ी संख्या में लोग रहते थे, लेकिन काम की तलाश में लोग धीरे-धीरे पलायन करते चले गए।

इस तरह यह गांव देखते ही देखते खाली हो गया और सिर्फ कुछ ही लोग बचे रह गए। इस गांव में लोगों ने अकेलेपन को दूर करने के लिए यह तरीका निकाला। इसकी वजह से पूरे गांव में जगह-जगह पूतले लगा दिए गए।

क्या आप जानते हैं कि ट्रेन की छत पर क्यों लगे होते हैं गोल ढक्कन ?

भारतीय रेल से हर दिन लाखों लोग यात्रा करते हैं। भारतीय रेल से यात्रा करना सस्ता और आरामदायक है, जिसकी वजह से इसे देश की लाइफ लाइन कहा जाता है। भारतीय रेलवे दुनिया में चौथा और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। भारत में रेलवे स्टेशन की कुल संख्या करीब 8000 है। आपने भी यात्रा करते समय सभी ट्रेन कोच के ऊपर लगे ढक्कन देखे होंगे, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर इन्हें क्यों लगाया जाता है? हो सकता है अधिकतर लोगों को इस सवाल का जवाब नहीं पता हो। आइए आज हम आपको बताते हैं कि आखिर ट्रेन के कोच के ऊपर ढक्कन क्यों लगाए जाते हैं? ट्रेन के कोच पर लगे इन गोल ढक्कन को वेंटिलेटर कहा जाता है। ट्रेन से गर्मी को बाहर निकालने के लिए कोच में खास व्यवस्था की जाती है, क्योंकि ट्रेन में हर दिन भारी संख्या में लोग यात्रा करते हैं। ट्रेन में ज्यादा लोगों के यात्रा करने की वजह कोच खचाखच भरे होते हैं। कभी कभी तो सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में यह रूफ वेंटिलेटर उमस और गर्मी को बाहर निकालते हैं। यात्रा करते समय आपने ट्रेन में देखा होगा कि अंदर छत पर जालियां लगाई गई होती हैं। किसी कोच में जालियों के स्थान पर गोल-गोल छेद बने होते हैं। ट्रेन कोच के ऊपर लगी प्लेटों से यह जुड़ी होती हैं। इनके माध्यम से ट्रेन की गर्मी या हवा पास होती है। हमेशा गर्म हवाएं ऊपर की ओर उठती हैं। कोच के भीतर बने छेद या जाली से रूफ वेंटिलेटर के रास्ते गर्म हवाएं बाहर निकल जाती हैं। रूफ वेंटिलेटर के ऊपर से गोल या अन्य आकार की प्लेट्स लगाई जाती हैं, जो दूर से देखन पर ढक्कन की तरह दिखाई देती हैं। इन प्लेट्स को रूफ वेंटिलेटर के माध्यम से गर्म हवा को ट्रेन कोच से बाहर निकालने के लिए लगाया जाता है। अब आपके मन में सवाव खड़ा हो रहा होगा कि ट्रेन के अंदर से उमस खिड़कियों से क्यों बाहर नहीं निकलती हैं? दरअसल उमस एक तरह की गर्म हवा होती है, जो ठंडी हवा से हल्की होती है। इसकी वजह से वह हमेशा ऊपर उठती है।

अलग अंदाज में नजर आए राहुल, ट्रक से की यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। अपने भारत जोड़ो यात्रा के जरिये जनता से जुड रहे राहुल गांधी एक बार फिर अपने को आमजन से जोड़ने में जुटे है। अबकि बार उन्होंने ट्रक का सहारा लिया है। उन्होंने एक ट्रक के द्वारा शिमला की यात्रा की। इस समय उन्होंने ट्रक ड्राइवरों से मन की बात की , गुरुद्वारे में टेका मत्था। इसी अंदाज में दिली से चंडीगढ़ तक ट्रक राइड की। ट्रक पर सवार राहुल गांधी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

यूथ कांग्रेस ने कहा कि राहुल ने ट्रक ड्राइवरों की परेशानियां समझने के लिए ऐसा किया। उन्होंने इस दौरान ट्रक चालकों से बात भी की और उनकी समस्याओं को जाना। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से लिखा कि जननायक राहुल गांधी ट्रक ड्राइवर्स की समस्या जानने उनके बीच पहुंचे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार सुबह एक अलग अंदाज में नजर आए। राहुल गांधी दिल्ली से सड़क मार्ग के जरिये ट्रक से अंबाला पहुंचे और फिर वहां पर उन्होंने एक गुरुद्वारे में माथा टेका। बाद में अंबाला से शिमला के लिए रवाना हुए।

ड्राइवरों की समस्याओं पर की चर्चा

दिल्ली से चंडीगढ़ तक किया सफर

कर्नाटक की सियासी थकान और मैदानों में पड़ रही भारी गर्मी से राहत पाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला पहुंचे हैं। यह उनका निजी दौरा है। यहां पर वह अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के घर में रुके हैं। प्रियंका गांधी ने शिमला के छराबड़ा में घर बनाया है। दिल्यी से चंडीगढ़ तक ट्रक में सवार होकर आए राहुल गांधी ने ट्रक चालकों की समस्या को समझने की कोशिश की। उन्होंने ट्रक चालकों से उनकी समस्याओं पर बात भी की।

कांग्रेस ने शेयर किया वीडियो

कांग्रेस ने राहुल गांधी का ये वीडियो अपने फेसबुक और ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है कि राहुल गांधी ट्रक ड्राइवर्स की समस्या जानने उनके बीच पहुंचे और उन्होंने उनके साथ दिल्ली से चंडीगढ़ तक का सफर किया। फिलहाल, राहुल गांधी अपनी बहन प्रियंका गांधी के घर शिमला पहुंचे हैं। कांग्रेस ने हिमाचल में सरकार बनने के बाद अब ओपीएस बहाल कर दी है। इसी के चलते अब प्रदेश के कर्मचारियों ने धर्मशाला में आभार रैली रखी है, जिसमें सीएम सुक्खू शामिल होंगे। चर्चाएं हैं कि इस रैली में राहुल गांधी भी शामिल हो सकते हैं।

प्रदेश में कल से आंधी-बारिश से मौसम होगा गुलजार

मंगलवार से मिलेगी लू से राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मौसमी बदलाव के चलते मौसम विभाग ने मंगलवार से लू से राहत मिलने के आसार जताए हैं। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक आगामी पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बुधवार से प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी और बारिश होने के आसार हैं।

यह स्थिति आगामी 27 मई तक बनी रह सकती है। इन सबके बीच प्रदेश में झांसी सोमवार को सबसे गर्म शहरों में शुमार रहा। यहां दिन का अधिकतम तापमान 46.5 डिग्री दर्ज हुआ, जबकि आगरा में अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ये दोनों इलाके लू की चपेट में रहे। दूसरी ओर, पूर्वी उत्तर प्रदेश में कई इलाकों में पारे में गिरावट भी दर्ज की गई है। प्रयागराज, कानपुर एयरफोर्स समेत कई अन्य इलाकों में पारे में कमी आई।

सुबह-सुबह बादल, हल्की बूंदा-बांदी से गिरा पारा

वहीं, लखनऊ में दिन के तापमान में गिरावट के चलते सोमवार को लोगों ने राहत महसूस की। दिन का पारा लगभग दो डिग्री गिरा और एक दिन पहले के मुकाबले 41.4 डिग्री दर्ज हुआ। रात के पारे में मामूली वृद्धि हुई और यह 25.3 के मुकाबले 26.9 डिग्री रहा। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, मंगलवार को बदली छाने से राहत मिलेगी। 24 को बारिश के आसार बन रहे हैं।

दिल्ली में सतर्कता विभाग के विशेष सचिव राजशेखर बहाल

अध्यादेश के बाद पहला आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के सतर्कता विभाग के विशेष सचिव (सतर्कता) वाईवीवीजे राजशेखर को बहाल कर दिया गया है। सचिव (सतर्कता) की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया है कि राजशेखर फिर से सामान्य रूप से कार्य करेंगे।

साथ ही सभी सहायक निदेशकों को भी 10 मई से अपनी जिम्मेवारियों को आगे जारी रखने के आदेश दिए गए हैं। उधर, दफ्तर के दो कमरों की सील हटाने के बाद पहले आदेश में राजशेखर ने आदेश दिया है कि सभी फाइलों की सूची तैयार कर उसका ब्योरा उनको सौंपा जाए।

सौरभ भारद्वाज ने लिया था एक्शन: दरअसल, सुप्रीम कोर्ट का

आदेश आने के बाद सतर्कता मंत्री सौरभ भारद्वाज के आदेश पर राजशेखर से उनका सारा काम छीन लिया गया था। मंत्री के आदेश पर कमरा संख्या 403 (विशेष सचिव, सतर्कता) और 404 (विशेष सचिव, सतर्कता का गोपनीय खंड) को भी सील कर दिया गया था। दूसरी तरफ राजशेखर ने उपराज्यपाल को चिट्ठी लिखकर मंत्री पर कई आरोप लगाए थे। अब केंद्र सरकार से अध्यादेश आने के बाद राजशेखर को एक बार फिर से पुरानी जिम्मेदारी दे गई है। राजशेखर ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद विशेष सचिव सतर्कता एवं उनके गोपनीय अनुभाग के कार्यालय में रखी फाइलों की सूची तैयार करने का आदेश जारी किया है। अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली सचिवालय में राजशेखर के कार्यालय और गोपनीय सेक्शन और आसपास के सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर सुराग हासिल करने के लिए जांच की जा रही है।

नीरज के भाले ने सबको पीछे छोड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा विश्व एथलेटिक्स द्वारा जारी ताज़ा पुरुष भाला फेंक रैंकिंग में अपने करियर में पहली बार विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बन गए हैं। चोपड़ा 1455 अंकों के साथ शीर्ष पर रहे। वह ग्रेनाडा के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स (1433) से 22 अंक आगे रहे. टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले चेक गणराज्य के जैकब वडलेज्च 1416 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

25 वर्षीय चोपड़ा पिछले साल 30 अगस्त को दुनिया में दूसरे नंबर पर पहुंच गए थे, लेकिन उसके बाद से पीटर्स से पीछे रह गए. पिछले साल सितंबर में, नीरज चोपड़ा ने ज्यूरिख में डायमंड लीग 2022 का फाइनल जीता और

बने विश्व के नं.-1 जैवलिन थ्रोअर विश्व एथलेटिक्स रैंकिंग में रचा इतिहास

मैं फिट और मेंटेन रहूंगा : चोपड़ा

चोपड़ा ने कहा,कि इस सीजन में मैं फिट और मेंटेन रहूंगा और मैं अगले टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा। मैं फिट रहने के लिए और जितना कर सकता हूं, उससे अधिक करने की योजना बना रहा हूं। चोपड़ा का वर्तमान प्रशिक्षण आधार एंटाल्या, तुर्की में है। भारतीय सुपरस्टार ने कहा, कि मैं अगली प्रतियोगिताओं में पहले स्थान पर आने और इस सत्र के दौरान निरंतरता बनाए रखने की उम्मीद करता हूं।

प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने सीजन-ओपनिंग दोहा डायमंड लीग में 5 मई को 88.67 मीटर के थ्रो के साथ खिताब जीता था। वह अगली बार नीदरलैंड में 4 जून को एफबीके गेम्स में प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेंगे, इसके बाद 13 जून को तुर्कू, फिनलैंड में पावो नूरमी गेम्स होंगे।

बृजभूषण-पहलवानों की लड़ाई, जुबानी जंग पर आई

अपनी तुलना मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम राम से की, जबकि धरना दे रहीं महिला पहलवानों को बताया मंथरा

» मैं पीछे हटने वाला नहीं हूं : बृजभूषण शरण सिंह

» नार्को टेस्ट का हो लाइव प्रसारण : पहलवान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह लगातार सुर्खियों में हैं। बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर पहलवान जंतर-मंतर पर धरना दे रहे हैं। इसी को लेकर बृजभूषण शरण सिंह ने पहलवानों को नार्को टेस्ट का चैलेंज दिया था, जिसे पहलवानों ने स्वीकार कर लिया।

पहलवानों ने कहा कि वह नार्को टेस्ट के लिए तैयार हैं, और बृजभूषण के साथ ही पीड़ितों का नार्को टेस्ट हो और इसे लाइव प्रसारित किया जाए। अब सभी की नजरें दिल्ली पुलिस की तरफ है कि नार्को टेस्ट के लिए कब दोनों पक्षों को बुलाती है।

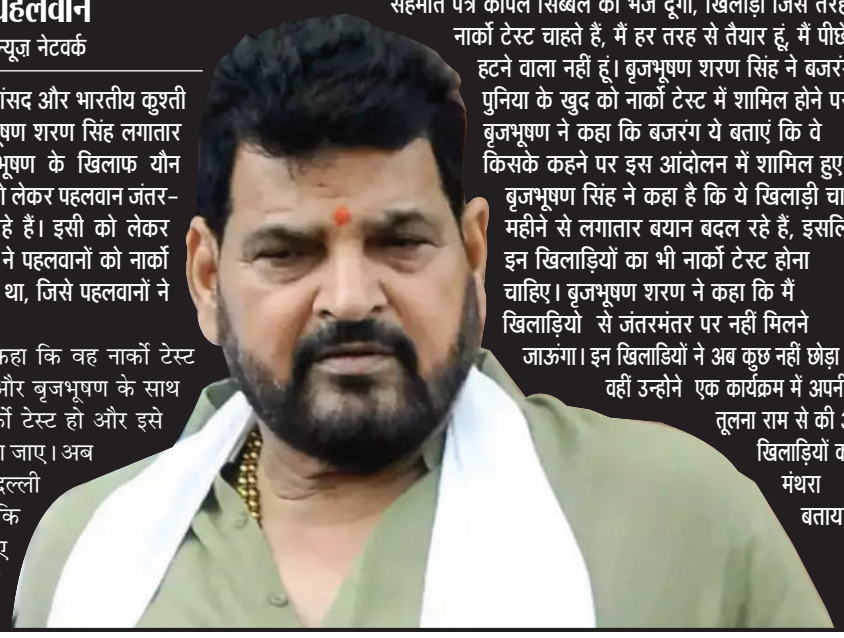

खिलाड़ी भेज दें सिब्बल को सहमति

बीजेपी सांसद ने कहा कि जिन-जिन खिलाड़ियों ने आरोप लगाया है वो नार्को टेस्ट के लिए अपना सहमति पत्र कबिल सिब्बल को भेज दें, मैं भी अपना सहमति पत्र कपिल सिब्बल को भेज दूंगा, खिलाड़ी जिस तरह से नार्को टेस्ट चाहते हैं, मैं हर तरह से तैयार हूं, मैं पीछे हटने वाला नहीं हूं। बृजभूषण शरण सिंह ने बजरंग पुनिया के खुद को नार्को टेस्ट में शामिल होने पर बृजभूषण ने कहा कि बजरंग ये बताएं कि वे किसके कहने पर इस आंदोलन में शामिल हुए हैं, बृजभूषण सिंह ने कहा है कि ये खिलाड़ी चार महीने से लगातार बयान बदल रहे हैं, इसलिए इन खिलाड़ियों का भी नार्को टेस्ट होना चाहिए। बृजभूषण शरण ने कहा कि मैं खिलाड़ियो से जंतरमंतर पर नहीं मिलने जाऊंगा। इन खिलाडियों ने अब कुछ नहीं छोड़ा है। वहीं उन्होने एक कार्यक्रम में अपनी तूलना राम से की और खिलाड़ियों को मंथरा बताया।

जो धरने पर बैठे हैं, उनका खेल खत्म हो चुका

बृजभूषण ने माना कि इस धरने से कुश्ती का नुकसान हुआ है लेकिन उन्होंने साथ ही ये भी कहा कि असल खिलाड़ी स्टेडियम में प्रैक्टिस कर रहे हैं, जो जंतर-मंतर पर बैठे हैं, उनका खेल खत्म हो चुका है, सिंह ने कहा कि ये खिलाड़ी अब नहीं खेलेंगे, ये आगे चलकर चुनाव लड़ेंगे, उन्होंने दावा किया कि इनमें से कोई खिलाड़ी आने वाले ट्रायल में शामिल नहीं होगा। महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपों से घिरे कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह एक बार फिर बड़बोलेपन पर उतर आए हैं। अपने संसदीय क्षेत्र के धनईगंज बंधे पर एक कार्यक्रम में भाषण देते हुए उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम से अपनी तुलना कर डाली। बृजभूषण ने तैश में आकर धरना दे रहीं महिला पहलवानों को मंथरा बता दिया। उन्होंने कहा कहा, मंथरा ने राम को 14 वर्ष के लिए वनवास भेज दिया था, लेकिन यदि राम वन नहीं जाते तो वह कभी केवट से न मिलते, शबरी के जूठे बेर न खाते। हनुमान और सुग्रीव से मित्रता न होती और रावण जैसे महापापी का अंत कैसे होता। सांसद ने आगे कहा, मुझे लगता है कि ईश्वर ने मेरे लिए अभी कुछ और काम कार्य निर्धारित कर रखा है। उन्होंने कहा कि वह सब कुछ हो सकते हैं लेकिन जो आरोप लगा है वह नहीं हो सकते। इस तरह की बातों से लोग अवाक रहे। बृजभूषण के भाषण को लेकर पूरे क्षेत्र में चर्चा है।

हो सकती थी हत्या, इसलिए पहले नहीं की शिकायत : फोगाट

देश को कई मेडल दिलाने वाले पहलवान पिछले करीब एक महीने से राजधानी दिल्ली में धरना दे रहे है। उनका आरोप है कि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कई महिला खिलाड़ियों के साथ यौन उत्पीड़न किया है। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने बताया है कि पिछले कई सालों से बृजभूषण सिंह उन्हें प्रताड़ित कर रहे थे। उन्होंने कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर और भी कई आरोप लगाए हैं। विनेश ने यहां तक कहा है कि उन्होंने शिकायत इसलिए दर्ज नहीं करवाई क्योंकि बृभूषण उनकी हत्या करवा सकता था।

फोटो :4 पीएम

भंडारा राजधानी लखनऊ में आज ज्येष्ठ माह के तीसरे मंगलवार को दर्जनों भंडारे के पांडाल लगे हैं। 1 किलोमीटर के दायरे में लगे दर्जनों भंडारों के पांडालों में बड़ी संख्या में लोगों के खाने-पीने का इंतजाम किया गया है। इस मौके पर मीडिया फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने भी भंण्डारे का किया आयोजन।

आरबीआई के आदेशों की उड़ी धज्जियां

2000 रुपये के नोट बदलने पहुंचे लोग, बैंकों में नहीं दिख रहीं लंबी लाइनें

» फॉर्म भरवाने की मिली शिकायतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देशभर के बैंकों में आज से 2000 रुपये के नोट बदले जाने शुरू हो गए हैं। लोग 2000 हजार रुपये के नोट लेकर बैंक पहुंच रहे हैं।

आरबीआई ने बीते शुक्रवार को दो हजार रुपये के नोटों को चलन से बाहर करने का फैसला लिया था। आरबीआई ने कहा था कि 30 सितंबर तक दो हजार का नोट वैध रहेगा और बैंकों में जाकर इन्हें जमा या बदला जा सकेगा।

एक बार में 10 नोट बदले जा सकते हैं

एक बार में बैंकों में दो हजार के 10 नोट यानी 20 हजार रुपये बदले या जमा किए जा सकेंगे। नोट बदलने के लिए ग्राहकों को कोई पहचान पत्र या किसी तरह का दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी।

बैंक कर रहे मनमानी

नोट बदले जाने के दौरान कुछ बैंकों द्वारा आरबीआई के आदेशों की धज्जियां उड़ाने के मामले सामने आ रहे हैं। दरअसल, आरबीआई ने कहा था कि दो हजार का नोट जमा कराने के लिए कोई फॉर्म नहीं भरा जाएगा। हालांकि, एक फॉर्म वायरल हो रहा है। कहा जा रहा है कि ग्राहकों से नोट बदलने के लिए ये फॉर्म भरवाया जा रहा है। इस फॉर्म पर एचडीएफसी बैंक लिखा हुआ है। 2000 रुपये के नोट एक्सचेंज कराने के लिए ग्राहकों को बैंक की किसी भी शाखा में कोई भी फॉर्म और स्लिप भरने की आवश्यकता नहीं होगी। साथ ही ग्राहकों को आधार कार्ड या अन्य कोई आधिकारिक दस्तावेज दिखाने की भी जरूरत नहीं है।

मोदी की डिग्री मामले में अगली सुनवाई 7 जून को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डिग्री मामले में गुजरात की एक कोर्ट द्वारा दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और सांसद संजय सिंह को समन जारी किया गया था। आज दोनों नेताओं की पेशी होनी थी, लेकिन अब इस मामले में कोर्ट ने सुनवाई की नई तारीख तय की है।

याचिकाकर्ता के वकील अमित नायक ने कहा कि सुनवाई की अगली तारीख 7 जून तय की गई है। एक दिन पहले गुजरात आप के कानूनी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रणव ठक्कर ने दावा किया था कि आपराधिक मानहानि के एक मामले में पेश होने के लिए केजरीवाल और संजय को अभी तक समन जारी नहीं किया गया है। उन्हें इस बारे में मीडिया के माध्यम से ही पता चला है।

महाराष्ट्र में रफ्तार का कहर

» 11 की मौत, अमरावती और बुलढाणा में दर्दनाक हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। बुलढाणा में बस-ट्रक की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हो गए हैं।

राज्य परिवहन की एक बस और एक कंटेनर ट्रक की बीच जोरदार टक्कर हुई थी। इस हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से 450 किलोमीटर दूर स्थित बुलढाणा जिले के मुंबई-नागपुर राजमार्ग पर सिंदखेड़ राजा कस्बे के पास हुआ है। अधिकारी ने कहा कि महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बस पुणे से मेहकर की ओर जा रही थी, जब यह ट्रक से टकरा गई। पुलिस ने कहा कि हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने कहा कि मरने वालों में चार बस यात्री और दोनों वाहनों के चालक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि घायलों को सिंदखेड राजा कस्बे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमरावती में पांच लोगों की मौत

अमरावती में भी एक सड़क हादसा देखने को मिला। अमरावती में एक ट्रक की चपेट में आने से 5 लोगों की मौत हो गई और 7 अन्य घायल हैं। एक अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र के अमरावती जिले में एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी, जिससे कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि हादसा राज्य की राजधानी मुंबई से करीब 650 किलोमीटर दूर अमरावती के खल्लार पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत दरियापुर-अंजनगांव रोड पर सोमवार रात करीब 11 बजे हुआ। अधिकारी ने बताया कि हताहतों में अधिकतर एक ही परिवार के सदस्य हैं। सभी लोग एक पारिवारिक समारोह से दरियापुर लौट रहे थे। उन्होंने कहा कि हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। फिलहाल घायलों को दरियापुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।